ATS VALLEY SCHOOL
EXPLORE LEARN LEAD

फ़तह

(नवंबर 2021)

हिन्दी की मासिक पत्रिका

गोल

हे प्रभु! दासी की इतनी विनती सुन लीजिए,
इस साल मेरी इस नाव को उस पार तो कर दीजिए।

मैं डरती नहीं प्रलय हो,मौत या तूफ़ान से,
लेकिन डरती हूँ सदा इम्तिहान से।

खा गया मैथ, पी गई साइंस, मेरी खोपड़ी के चैन को,
साथ में समझ ना पाई मैं पढ़ाई में दिवस और रैन को।

भूगोल में एक प्रश्न था,"यह गोल है कैसी धरा"?
मैंने लिख दिया क्षण में उत्तर एक खरा।

चंद्रमा भी गोल हैं, तारे भी गोल हैं।
इसलिए मास्टर साहिब यह धरा भी गोल है।

मास्टर साहिब झूम उठे मेरे इस अनोखे ज्ञान से,
लिख दिया उन्होंने मेरी कॉपी पर ये शान से-

ठीक है बेटा!
मेरी लेखनी भी गोल है।
गोल है तेरा दिमाग, और पेपर में नंबर भी गोल है।

(निर्मला चौहान)

अब देखते हैं कि ए टी एस स्कूल की बाल सत्ता का गोल विषय के प्रति क्या विचार है........

वक्त उनकी कदर करता है जो करते वक्त की कदर,
मुझे नहीं लगता परीक्षा से डर।
हमेशा करो अपने अध्यापकों का सत्कार,
हो जाएगा आपको परीक्षा से प्यार।
गोबिंददीप (4अ)

कोशिश करता मैं कि अपना टेस्ट हो सबसे बेस्ट,
ताकि मुझे मेरी मम्मी दे रेस्ट।
करता मैं अपना टेस्ट बहुत समझदारी से,
अध्यापिका ने समझाया है टेस्ट देना इमानदारी से।
देवांश (4अ)

जब आने वाला होता है टेस्ट,
मेरी मां मुझे ना करने देती रेस्ट।
मैं भी इतना खूब पढ़ता कि टेस्ट वाले दिन करता बेस्ट।
सुखनजोत (4अ)

सत्य का नहीं कोई मोल,
मेरी मम्मी का कंगन गोल।
पृषा (2ब)

वैसे तो मुझे सारे विषयों से प्यार है,
पर मैथ्स के टेस्ट के नाम से आता मुझे बुखार है।
हिंदी,अंग्रेजी,पंजाबी भाषाओं का तो मुझको ज्ञान है,
पर विज्ञान का टेस्ट मुझे हर वक़्त करता परेशान है।
वैष्णवी (6अ)

इम्तिहान इम्तिहान इम्तिहान!
डरता है इससे हर इन्सान ,
इम्तिहान हो हम पर मेहरबान !
दक्ष गुलाटी (6अ)

सब बोलो प्यार के बोल,
ये दुनिया है गोल-गोल ।
दनिका राजपूत (1अ)

लड्डू गोल, रोटी गोल, दादू जी की ऐनक गोल।
मेरी खेलने की गेंद गोल,
सारी दुनिया गोल मटोल।
रिवान डोगरा (1अ)

प्रातः लाल किरणों से हमें जो जगाता है,
वो हमारे सूरज चाचा गोल है।
श्याम होते ही जो हमें शीतलता देता है,
वो हमारे प्यारे चंदा मामा गोल है।
सारे जीव जो भी इस दुनिया में है,
वो हमारी पृथ्वी माँ गोल है।
मेहुल जैन (1अ)

मुझे संगीत से बहुत प्यार है,
मगर टेस्ट से लगता डर अपार है।

जैसे तितली को फूलों से प्यार है, मुझे रहता हिंदी के टेस्ट का इंतजार है।
कीथ हुसैन (6अ)

कुदरत ने जो बनाए अनमोल,
वह है चंदा,धरती और सूरज गोल।
मन्नत (4ब)

शादी में बजता ढोल है,
ना पढ़ने से मिलता नंबर गोल है।
रूद्र प्रताप (2अ)

मैंने देखा एक भालू।
दिखता था जैसे गोल आलू।
अमायरा शर्मा (2ब)

सूरज है लड्डू जैसा गोल,
मीठा-मीठा मम्मी का बोल,
इसमें नहीं है कोई झोल।
हेज़ल चावला (2अ)

पढ़ाई लिखाई का बहुत मोल है,
मेरी साइकिल का पहिया गोल है।
ज़ोहैन (3अ)

इतना डर नहीं लगता मुझे मम्मी की मार से,
जितना डर लगता है परीक्षा के नंबर की हार से।
आयुषी राजपूत (5अ)